दैनिक जागरण कानपुर 03/03/2023

# कृषि की तकनीक सीख अपना स्टार्टअप शुरू करेंगे विद्यार्थी

## तीन दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताया जाएगा जुड़ने का तरीका

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (सीएसए) के विद्यार्थी अब शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही स्वावलंबन का भी पाठ पढ़ेंगे। युवा कृषि तकनीक सीखने के साथ ही एग्री बिजनेस स्टार्टअप के लिए भी खुद को तैयार करेंगे।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और हार्टफुल एजुकेशन ट्रस्ट की ओर से 17 मार्च से हैदराबाद में हार्ट फुल एग्रो यूथ हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सीएसए के विद्यार्थियों को भी शामिल होने का मौका मिलेगा। तीन दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में युवाओं को विषय के साथ पूरे मनोयोग से जुड़ने का तरीका सिखाया जाएगा। संस्था के विशेषज्ञों का मानना है कि जब पूरे मन के साथ विषय का जुड़ाव होता है तब ऐतिहासिक परिवर्तन होते हैं। सीएसए के युवाओं को सिखाया जाएगा कि कृषि शिक्षा को किस तरह वे अपने जीवन में एग्री बिजनेस स्टार्टअप का हिस्सा बना सकते हैं। सफल उद्यमियों से भी युवाओं का साक्षात्कार कराया जाएगा।

**चार दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम :** सीएसए में चार दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया जा रहा है। कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने कार्यशाला की शुरुआत की है। इस मौके पर हार्ट फुल संस्था की मास्टर ट्रेनर शालिनी पांडेय ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को हार्टफुल संस्था के सिद्धांत की जानकारी दी।

कार्यशाला में कुलसचिव डा. पीके उपाध्याय, आयोजन अध्यक्ष डा. राम प्यारे सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डा. सीएल मौर्य मौजूद रहे।

### मसाला फसलों के उत्पादन से किसान बढ़ाएं अपनी आय

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सब्जी अनुभाग कल्याणपुर में गुरुवार को आयोजित मसाला फसल कृषक प्रशिक्षण कार्यशाला में कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि मसाला फसलों के लिए कानपुर व आसपास की जलवायु अत्यंत लाभकारी है। यहां मेथी, धनिया से लेकर अजवाइन, हल्दी, प्याज और लहसुन की खेती से किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। कार्यशाला का आयोजन एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत किया गया। कार्यशाला को निदेशक शोध डा. पीके सिंह, निदेशक प्रसार डा. आरके यादव ने भी संबोधित किया। आयोजन डा. आरबी सिंह ने किया।

दैनिक जागरण कानपुर 03/03/2023

# कृषि की तकनीक सीख अपना स्टार्टअप शुरू करेंगे विद्यार्थी

## तीन दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताया जाएगा जुड़ने का तरीका

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (सीएसए) के विद्यार्थी अब शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही स्वावलंबन का भी पाठ पढ़ेंगे। युवा कृषि तकनीक सीखने के साथ ही एग्री बिजनेस स्टार्टअप के लिए भी खुद को तैयार करेंगे।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और हार्टफुल एजुकेशन ट्रस्ट की ओर से 17 मार्च से हैदराबाद में हार्ट फुल एग्रो यूथ हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सीएसए के विद्यार्थियों को भी शामिल होने का मौका मिलेगा। तीन दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में युवाओं को विषय के साथ पूरे मनोयोग से जुड़ने का तरीका सिखाया जाएगा। संस्था के विशेषज्ञों का मानना है कि जब पूरे मन के साथ विषय का जुड़ाव होता है तब ऐतिहासिक परिवर्तन होते हैं। सीएसए के युवाओं को सिखाया जाएगा कि कृषि शिक्षा को किस तरह वे अपने जीवन में एग्री बिजनेस स्टार्टअप का हिस्सा बना सकते हैं। सफल उद्यमियों से भी युवाओं का साक्षात्कार कराया जाएगा।

**चार दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम :** सीएसए में चार दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया जा रहा है। कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने कार्यशाला की शुरुआत की है। इस मौके पर हार्ट फुल संस्था की मास्टर ट्रेनर शालिनी पांडेय ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को हार्टफुल संस्था के सिद्धांत की जानकारी दी।

कार्यशाला में कुलसचिव डा. पीके उपाध्याय, आयोजन अध्यक्ष डा. राम प्यारे सिंह, अधिष्ठाता कृषि संकाय डा. सीएल मौर्य मौजूद रहे।

### मसाला फसलों के उत्पादन से किसान बढ़ाएं अपनी आय

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सब्जी अनुभाग कल्याणपुर में गुरुवार को आयोजित मसाला फसल कृषक प्रशिक्षण कार्यशाला में कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि मसाला फसलों के लिए कानपुर व आसपास की जलवायु अत्यंत लाभकारी है। यहां मेथी, धनिया से लेकर अजवाइन, हल्दी, प्याज और लहसुन की खेती से किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। कार्यशाला का आयोजन एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत किया गया। कार्यशाला को निदेशक शोध डा. पीके सिंह, निदेशक प्रसार डा. आरके यादव ने भी संबोधित किया। आयोजन डा. आरबी सिंह ने किया।

WORLD खबर EXPRESS

# WORLD खबर एक्सप्रेस

गुरुवार 02 मार्च, 2023 | अंक -307

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DAY

# मसाला फसलों के उत्पादन, प्रसंस्करण व जैविक खेती की प्रोत्साहन हेतु कार्यशाला का हुआ आयोजन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर की सब्जी अनुभाग कल्याणपुर में आज एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना अंतर्गत एक दिवसीय मसाला फसलों पर कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉश बिजेंद्र सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति जी द्वारा बताया गया कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती में विविधीकरण को अपनाना होगा तथा किसान आधारित प्रसार तंत्र विकसित करना होगा, क्योंकि आज भी नवीनतम एवं सफल तकनीकी का हस्तांतरण किसान के द्वारा भी किसानों तक होता है। कुलपति द्वारा सब्जी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग के प्रबंधन पर चर्चा करते हुए बताया की कृषि रक्षा रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग करने से मिट्टी एवं वातावरण के साथ-साथ मानव के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, इसलिए कृषि रक्षा रसायनों का एक न्याय संगत एवं समुचित प्रयोग करना चाहिए तथा यदि संभव हो सकता है तो कृषि रक्षा रसायनों के विकल्पों का प्रयोग कर जैविक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। जैविक खेती से तैयार उत्पाद गुणवत्ता के लिए के दृष्टिकोण से अच्छे होते हैं जिनका मानव स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने ट्राइकोडरमा से बीज उपचार करने के विषय में भी विस्तार से चर्चा की। सब्जी फसलों में पोषक तत्व प्रबंधन के विषय में बताते हुए कुलपति द्वारा कहा गया कि आजकल अधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियों से मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्वों का अभाव हो गया है, इसलिए यदि

खड़ी फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्व का पौधे पर छिड़काव करना चाहिए तथा ऐसे उत्पाद में सूक्ष्म पोषक तत्व की मात्रा भी पर्याप्त मात्रा में पाई जाती है। उन्होंने मिर्च की पूसा ज्वाला की रोपाई करने की संस्तुति करते हुए किसानों को बताया कि नर्सरी में विषाणु प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है जिसका समुचित प्रबंधन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मेथी एवं धनिया ऐसी फसलें हैं जिसको बीज के साथ-साथ पत्ती के रुप में भी उगाया जाता है और धनिया की अगेती फसल लेकर बहुत अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम में निदेशक शोध डॉश पीशकेश सिंह द्वारा सब्जी फसलों में मूल्य संवर्धन पर चर्चा की तथा बताया कि यदि हम अपने उत्पाद से अधिक आय अर्जित करना चाहते हैं तो उनका मूल्य संवर्धन आवश्यक है। उन्होंने आलू के चिप्स का उदाहरण देते हुए बताया कि दो आलू का चिप्स तैयार कर 25 से 30 में मार्केट में बेचा जा रहा है, इसलिए मूल्य संवर्धन वर्तमान समय की मांग है। निदेशक प्रसार डॉ आरश के श यादव द्वारा मसाला फसलों के विकास में प्रसार तंत्र की भूमिका पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का आयोजन डॉश आरशबीश सिंह द्वारा किया गया तथा उनके द्वारा बताया गया कि कानपुर नगर एवं कानपुर देहात के प्रगतिशील किसान इस कार्यक्रम में आए हैं जिनको मसाला फसलों के विषय में तकनीकी रूप से शिक्षित किया जाएगा जिससे किसान उन्नति की ओर अग्रसर होंगे। कार्यक्रम में मसाला फसलों में उर्वरक प्रबंधन, जैविक खेती, बीज उत्पादन, कटाई उपरांत प्रबंधन आदि विषयों पर डॉश रामप्यारे, अधिष्ठाता कृषि कल्याण, डॉश आई श एनश शुक्ला, डॉश संजीव कुमार सिंह, डॉ राजीव, डॉश जितेंद्र सिंह, डॉश खलील खान आदि वैज्ञानिकों द्वारा विशेष चर्चा की गई धन्यवाद ज्ञापन डॉ डीपी सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रगतिशील किसानों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए प्रगतिशील किसानों द्वारा कुलपति जी का धन्यवाद किया कि ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित होते रहे ताकि किसान अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सके।

…सिंह ने किया।

हिंदुस्तान 03/03/2023

# अधिक उत्पादन से मिट्टी में घट रहे पोषकतत्व

कानपुर। अधिक उत्पादन करने वाली प्रजातियां मिट्टी के पोषकतत्वों को कम कर रही हैं। इसलिए खेतों में खड़ी फसलों में सूक्ष्म पोषकतत्वों का छिड़काव करें। यह बात सीएसए के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कही। उन्होंने मिर्च की विशेष किचन गार्डन प्रजाति पूषा ज्वाला को बढ़ाने का निर्देश दिया। यहां डॉ. पीके सिंह, डॉ. आरके यादव, डॉ. आरबी सिंह, डॉ.डीपी सिंह, डॉ.रामप्यारे आदि रहे।